स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है : दिया कुमारी

स्वामित्व योजना के तहत उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पट्टे वितरित किए

अजमेर। स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में शनिवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली लाभार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना देश के गांवों की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक है। ग्रामीण आबादी को अपनी भूमि का कानूनी प्रमाण दिया गया। कानूनी दस्तावेज से मालिकाना अधिकार मिला है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी ग्रामीण भू सम्पति पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की गई है। दस्तावेज के अभाव में ग्रामीण सम्पत्ति डेडकेपिटल हो जाती है। स्वामित्व योजना के लिए ड्रॉन मेपिंग करवाई गई है। अब आवासीय सम्पत्ति के कागजात दिए जा रहे हैं। इससे अवैध कब्जे तथा अदालती परिवादों से मुक्ति मिलेगी।

स्वामित्व योजना के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी एवं विधायक अनिता भदेल ने लाभार्थियों को पट्टे वितरित किए।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत देश में वर्चुअल माध्यम से पट्टों का वितरण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से ऐसे लोग है, जिनकी जमीन किसी भी सरकारी आंकड़ों में दर्ज नहीं थी। इस कारण जमीन को लेकर आपसी झगड़ा या कब्जा होने का खतरा हमेशा बना रहता था। उनको उस जमीन पर ऋण और अन्य सुविधाएं नहीं मिल पाती थी। ग्रामीण परेशान रहते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीणों के इस दु:ख को समझा और इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की 24 अप्रैल 2020 को शुरूआत की। इस योजना में ड्रोन और डिजिटल माध्यम से गांव और खेत की मेपिंग करके सम्पत्ति के नामांकन और सत्यापन का कार्य किया जाकर स्वामित्व संबंधी पट्टे दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना ग्रामीण विकास और विश्वास का आधार बनी है। पूरे भारत में तीन लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग दस करोड़ से अधिक प्रोपट्री पार्सल तैयार किए जा चुके हैं। राजस्थान में कुल पैंतीस हजार गांवों में ड्रोन सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग आठ लाख साठ हजार से ज्यादा पट्टों का वितरण किया जा चुका है। बाईस सौ से अधिक ग्रामीण परिवारों को पट्टे दिए जा चुके हैं। अजमेर में इस योजना की शुरूआत अप्रेल 2022 में हुई थी। अजमेर में एक हजार 102 गांवों में सर्वे कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग इकसठ हजार पट्टों का वितरण हो चुका है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अजमेर जिले के 6800 पट्टे वितरित किये गये।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के पास पट्टा होने से उनकी जमीन का मालिकाना हक मिला है। ग्रामीण आत्मनिर्भर हुए हैं। उनका सशक्तिकरण हुआ है। इस योजना के बाद शहरों के समान ही ग्रामीणों को भी जमीन के अन्य वित्तीय लाभ मिल रहे हैं। भूमि संबंधी विवाद खत्म हो रहे हैं। अतिक्रमण की समस्या का भी समाधान हुआ है। जमीन का रिकॉर्ड दर्ज होने से ग्रामीणों को कानूनी सुविधा और लाभ मिल रहा है। गांवों में निवेश के अवसर बढ़े हैं। जमीन का नामान्तरण और बंटवारे में आसानी हो रही है। गांवों में सरकारी और निजी भवन बनाने में सुविधा हो रही है। पंचायतराज विभाग, राजस्व विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सामूहिक प्रयासों से प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, अध्यक्ष रमेश सोनी, प्रवीण जैन, जिला परिषद सदस्य महेन्द्र सिंह मझेवाल, सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष हरिराम बाना, जिला कलेक्टर लोक बन्धु, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक खन्ना सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं लाभार्थी उपस्थित रहे।

बालिका का अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में युवक को पकड़ा

आरोप है कि बालिका को छह माह तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। 13 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर उत्तर प्रदेश ले जाने और उससे दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने 23 वर्षीय युवक सुनील को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सुनील ने बालिका को लगभग छह महीने तक बंधक बनाए रखा और दुष्कर्म करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को बड़ी मुश्किल से पकड़ा है।

- पुलिस ने यूपी के कानपुर जिले में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के गांव बीबीपुर सराय निवासी सुनील को पकड़ा

बालिका की दादी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर कोतवाली में सुनील के खिलाफ 12 जुलाई 2024 को अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया था कि दोनों के मोबाइल फोन श्रीगंगानगर रेलवे स्टेशन पर बंद हो गए थे। इसके बाद इनका कुछ पता नहीं चल रहा था। पुलिस ने गूगल मैप के जरिए सुनील के गांव का पता लगाया। वहां के सरपंच से संपर्क किया तो पता चला कि सुनील जून में अपने साथ एक लड़की को लेकर गांव आया था। इस पर पुलिस उसके गांव पहुंची तो वहां दोनों ही नहीं मिले। फिर पता चला कि सुनील लड़की को कानपुर में कहीं अपने साथ रखे हुए है। काफी प्रयासों के बाद 27 दिसंबर 2024 को पुलिस कानपुर से लड़की को बरामद कर लिया। बाल कल्याण समिति (सीडब्यूसी) के समक्ष पेश करने पर उसे मां-बाप के पास भेज दिया गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अपहरण के मुकदमे में सुनील के खिलाफ दुष्कर्म की धाराएं भी जोड़ दी गईं। मामले की जांच एएसपी (शहर) बी आदित्य कर रहे हैं। तीन दिन पहले पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि सुनील कानपुर में छिपा हुआ है। यहां से भेजी गई एक टीम ने उसे पकड़ा।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा सुनाई

पाली, (निसं)। पाली में पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के जज ने 11 माह पुराने मामले में सुनवाई की। जिसमें नौ साल की मासूम के साथ ज्यादती करने के अभियुक्त महेंद्र को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

पॉक्सो कोर्ट संख्या एक की विशिष्ठ लोक अभियोजक उपमा रावल ने बताया कि पाली जिले के एक थाने में 14 फरवरी 2024 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई, जिसमें बताया कि 13 फरवरी 2024 को उसकी 9 साल की बेटी रात करीब 10 बजे बिंदौली देख रही थी। कुछ देर बाद वह टॉयलेट करने गली में गई, जहां उसे अकेला देख महेन्द्र पुत्र तेजाराम ने उसके साथ ज्यादती की। इसकी जानकारी नाबालिग ने अपने परिजनों को दी। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू की। 6 अप्रेल 2024 को आरोपी के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र पेश किए। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं की बहस और गवाहों के बयान सूनने के बाद 17 जनवरी को पाली के पोक्सो कोर्ट संख्या एक के जज सचिन गुप्ता ने फैसला सुनाया, जिसमें महेंद्र पुत्र तेजाराम को नाबालिग के साथ ज्यादती करने का दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई।

आभूषण लेकर भागी लुटेरी दुल्हन का नहीं लगा सुराग

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक और लुटेरी दुल्हन घर से जेवर नगदी लेकर चंपत हो गई। छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तब इस बारे में सूरसागर थाने में रिपोर्ट दी गई। लुटेरी दुल्हन और परिजन के खिलाफ चोरी एवं धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज हुआ है। महिला कर्नाटिका की रहने वाली है।

- छह माह बीतने के बाद भी वह नहीं लौटी तो थाने में रिपोर्ट दी

सूरसागर पुलिस ने बताया कि रामदेव कॉलोनी, क्रिया का झालरा में रहने वाली एक महिला की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके पुत्र की शादी गत साल कर्नाटिका की रहने वाली भूमिका के साथ की गई थी। शादी में कुछ समय तक सब ठीक-ठाक चला मगर बाद में तीन जुलाई को उसकी पुत्रवधु भूमिका घर से शादी के समय दिए गए आभूषण अंगूठी, चेन, ब्रासलेट, कानों के टोप्स के साथ 72 हजार रूपए लेकर चंपत हो गई। वह वापिस नहीं लौटी।

इस बारे में उसके पिता किशन शर्मा और अन्य लोगों से बातचीत की गई मगर वे हमेशा आश्वासन देते रहे, मगर उसकी पुत्रवधु वापिस नहीं लौटी। पीड़ित महिला ने सूरसागर थाने में पुत्र वधु भूमिका, उसके पिता किशन शर्मा के खिलाफ अब धोखाधड़ी एवं चोरी का प्रकरण दर्ज करवाया है। रूपए और गहने अलमारी में रखे हुए थे जोकि चैक करने पर वहां नहीं मिले। सूरसागर पुलिस ने अब इसमें जांच आरंभ की है।

दो जोड़ी महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा महाकुंभ मेले 2025 के लिए गाड़ी संख्या 09421/09422,साबरमती-बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा (वाया गांधीनगर कैपिटल) (03 ट्रिप) तथा गाड़ी संख्या 09609/09610, उदयपुर सिटी-धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा (01 ट्रिप) का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09421/09422, साबरमती-बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा (वाया गांधीनगर कैपिटल) (03 ट्रिप) गाड़ी संख्या 09421, साबरमती-बनारस मेला स्पेशल रेलसेवा 19, 23 व 26 जनवरी को (03 ट्रिप) साबरमती से 10.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 14.45 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09422, बनारस-साबरमती मेला स्पेशल रेलसेवा 20, 24, 27 जनवरी को (03 ट्रिप) बनारस से 19.30 बजे रवाना होकर मध्यरात्रि 01.25 बजे साबरमती पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 09609/ 09610, उदयपुर सिटी-धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा (01 ट्रिप) गाड़ी संख्या 09609, उदयपुर सिटी-धनबाद स्पेशल रेलसेवा उदयपुर सिटी से 19 जनवरी को 13.00 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 20.55 बजे आगमन व 21.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21.00 बजे धनबाद पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09610, धनबाद-उदयपुर सिटी स्पेशल रेलसेवा धनबाद से 21 जनवरी को 23.00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन जयपुर स्टेशन पर 01.30 बजे आगमन व 01.40 बजे प्रस्थान कर 09.40 बजे उदयपुर सिटी पहुंचेगी।

अतिक्रमण कर बनाई गई कांग्रेसी नेता की क्रिकेट अकादमी को ध्वस्त किया

यह क्षेत्र करीब 24 हजार स्क्वायर फीट था, जबकि अन्य लोगों का अतिक्रमण 14 हजार स्क्वायर फीट था

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण ने शनिवार को अनंतपुरा इलाके में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 38 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाया है। इस कार्रवाई में आधा दर्जन बुलडोजरों का इस्तेमाल किया गया। कार्रवाई के दौरान पक्के निर्माण के साथ-साथ अधूरे निर्माण को भी तोड़ा गया है। कार्रवाई कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह के पूर्व अध्यक्ष अमीन पठान के खिलाफ की गई है। उन पर अतिक्रमण का आरोप था जिसमें क्रिकेट अकादमी का निर्माण भी शामिल था।

- कोटा विकास प्राधिकरण ने अनंतपुरा इलाके में 38 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में अतिक्रमण को हटाया

कोटा विकास प्राधिकरण ने (केडीए) बताया कि यह क्षेत्र करीब 24,000 स्क्वायर फीट था जबकि अन्य लोगों का अतिक्रमण 14,000 स्क्वायर फीट था। केडीए के तहसीलदार सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि अमीन पठान और अन्य तीन-चार व्यक्तियों के अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है। इसमें क्रिकेट अकादमी के अलावा खाली पड़ी जमीन पर बनाए गए दो-तीन कमरे भी शामिल थे। इन जमीनों पर कब्जा करके उनके चारों ओर फेंसिंग का काम शुरू करवा दिया गया है। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया था जिसमें रैपिड एक्शन फोर्स, आरएसी, पुलिसकर्मी और होमगार्ड के जवान शामिल थे। कोटा शहर पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर शर्मा और तहसीलदार सुरेंद्र शर्मा भी इस कार्रवाई में मौजूद थे। इससे पहले वन विभाग की टीम ने भी आरोप लगाया था कि क्रिकेट अकादमी वन विभाग की जमीन पर बनाई गई थी। इसके बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए क्रिकेट पिच पर गड्ढे करके वहां पौधरोपण किया था।

कोटा विकास प्राधिकरण ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

70 लाख के लेनदेन में व्यापारी की हत्या की आशंका

व्यापारी ने पहले ही जान का खतरा जताया था

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा में एक व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया है। हरियाणा के हिसार जिले के मोहब्बतपुर निवासी राकेश कुमार का शव भादरा के शेरपुरा बस स्टैंड के पास एक खेत में मिला। मृतक के भाई कुलदीप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

कुलदीप के अनुसार, उनका भाई राकेश कुमार 17 जनवरी को दोपहर करीब 12:15 बजे भादरा के लिए निकला था। उनका तीन लोगों- संदीप (रणसिंह का पुत्र), अनिल और सुनील (दोनों हिसार निवासी) के साथ 70 लाख रुपए का लेनदेन था। इन्हीं तीनों ने राकेश को पैसों के लिए भादरा बुलाया था। घटना की जानकारी देते हुए कुलदीप ने बताया कि जाते समय राकेश ने उन्हें आशंका जताई थी कि पैसों के लिए उनकी जान को खतरा हो सकता है। देर रात तक घर नहीं पहुंचने और फोन बंद मिलने पर परिजन चिंतित हो गए। तलाश के दौरान 18 जनवरी की रात करीब 12:30 बजे शेरपुरा बस स्टैंड के पास राकेश की मारुति-800 कार मिली और उससे लगभग 20 फीट दूर खेत में उनका शव पड़ा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी भूपसिंह सहारण के नेतृत्व में टीम घटना की जांच में जुटी है। परिजनों ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया है।

शादी से लौट रहे परिवार की कार दीवार से टकराई, पिता-पुत्री की मौत

पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती कराया

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी कस्बे के नाना भुखिया गांव के पास स्टेट हाइवे-10 पर शुक्रवार रात्रि को विवाह समारोह से लौट रहे आनंदपुरी निवासी जैन परिवार की कार घर से दो किलोमीटर की दूरी पर सड़क किनारे दीवार से जा टकराई। हादसे में कार चालक व उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि पत्नी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार आनंदपुरी निवासी राहुल जैन (40) पुत्र महीपाल आंजना गांव में अपने मामा के लड़के के विवाह समारोह से शुक्रवार रात्रि को वापस घर आ रहे थे। कार में उसकी पत्नी सुरभी (35), बेटा आर्जव (14) व बेटी ओमी (8) माह भी साथ थे। रात्रि 9.30 बजे के लगभग नाना भुखिया गांव में स्टेट हाइवे-10 पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार का संतुलन बिगड़ गया और तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक मकान की नींव की दीवार से जा टकराई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए व घटना की जानकारी उनके परिजनों व समाजजनों को दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने सभी को कार से बाहर निकाल कर 108 की मदद से आनंदपुरी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर सभी की स्थिति गंभीर होने से उन्हें रेफर किया गया। रास्ते में राहुल व उसकी 8 माह की बेटी ओमी ने दम तोड़ दिया जबकि उसकी पत्नी सुरभी व बेटे आर्जव को उदयपुर गीतांजलि अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। अंकुर जैन कि रिपोर्ट पर आनंदपुरी पुलिस ने कार दुघर्टना को मर्ग में दर्ज कर दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा।

- घर से दो किमी की दूरी पर सामने किसी जानवर को बचाने के चक्कर में कार सड़क किनारे दीवार से टकरा गई थी

दीवार से टकराने के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई।

पिता-पुत्री की एक साथ हुई अंत्येष्टि :- राहुल व उसकी बेटी की एक साथ अंतिम यात्रा निकाल कर मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रिश्तेदार, समाजजन सम्मिलित हुए। ग्रामीणों ने बताया कि आनंदपुरी कस्बे में पिता-पुत्री की एक साथ मौत एवं सामुहिक अंतिम यात्रा की यह पहली घटना है।

राहगीर को ट्रक ने कुचला, मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में पैदल जा रहे एक व्यक्ति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बॉडी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाई। अज्ञात ट्रक ड्राइवर की तलाश की जा रही है। मामला जिले के गुड़ाएंदला थाना इलाके के गुंदोज गांव का है। हादसा शुक्रवार रात को हुआ। पुलिस के अनुसार गुड़ाएंदला थाना क्षेत्र के गुंदोज गांव की गोशाला के पास शुक्रवार रात पैदल जा रहे भांवरी गांव निवासी दिलीप रावल (45) पुत्र प्रभुदान को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दिलीप के सिर में गंभीर चोट लगी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क हादसे में एक भाई की मौत, दूसरा गंभीर घायल

पाली, (निसं)। पाली में एक सड़क हादसे में एक भाई की मौत हो गई और दूसरा गंभीर घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

- किश्त भरने के लिए गांव जा रहे थे, रास्ते में मवेशी से टकराई बाइक

पुलिस के अनुसार सिरोही जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र के नांदिया गांव निवासी 40 साल के भंवरलाल पुत्र राणाराम भील उसका छोटा भाई 25 वर्षीय पीराराम भील दोनों गुरलाई के निकट कोयला बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार शाम को दोनों अपने गांव नांदिया (सिरोही) के लिए बाइक पर रवाना हुए। सुमेरपुर के निकट इनकी बाइक मवेशी से टकरा गई। हादसे में दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सुमेरपुर हॉस्पिटल लाया गया। जहां 40 साल के भंवरलाल की मौत हो गई। उसकी बॉडी सुमेरपुर हॉस्पिटल की मॉच्र्युरी में पुलिस ने रखवाई। गंभीर घाल पीराराम को प्राथमिक उपचार के बाद पाली के बांगड़ हॉस्पिटल शुक्रवार देर शाम को लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन्होंने किश्तों पर बाइक ले रखी थी। किश्त भरने के लिए दोनों भाई शुक्रवार को बाइक से गांव के लिए रवाना हुए थे, ताकि किश्त भरकर आ सके और परिवार से भी मिल सके, लेकिन्न बीच रास्ते में हादसा हो गया।

अनियंत्रित कार खड्डे में गिरी, किशोर सहित दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप बड़गांव थाना क्षैत्र में अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे में जा गिरी। हादसे में कार में सवार किशोर सहित दो जनों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए।

- दो युवक घायल, उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया
- शादी समारोह में शामिल होने गए थे कार सवार, रास्ते में हादसा हुआ

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात में बड़गांव थाना क्षैत्र लोयरा गांव रोड़ के समीप अनियंत्रित कार पलटने के बाद खड्डे मे जा गिरी। हादसे में पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसको देख आए लोगों ने बचाव एवं राहत कार्य शुरू किया, घायलों को उपचार के लिए चिकित्सालय में पहुंचाया, जहां पुलां निवासी पियुष (17) डांगी पुत्र तुलसीराम डांगी तथा शैलू गोगुन्दा निवासी जगदीश (32) पुत्र देवीलाल डांगी, बबलु पुत्र भंवरलाल डांगी निवासी शैलू गोगुन्दा तथा किशन पुत्र धर्मा डांगी निवासी शैलू को बाहर निकाल उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां पियुष व जगदीश की मौत हो गई।

इधर, सूचना मिलने पर बडगांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में एएसआई रोशनसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच का घटनास्थल की जानकारी ली। प्रारंभिक अनुसंधान में पता चला कि रात में कार चालक शैलू गोगुन्दा निवासी गेगा डांगी के साथ पियुष, जगदीश, बबलू, किशन व साथी थूर गांव निवासी कन्हैयालाल डांगी के पुत्री की शादी समारोह में शामिल होने गए थे, जहां से वापस लौटते समय हादसा हो गया। सूचना मिलने पर एएसआई रोशनसिंह ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।